City International School

FIRST TERMINAL EXAMINATION – 2015 - 2016

Date : 03/08/2015 **Marks : 80**

Std : X **Subject : Hindi** **Time :** 3hrs

This paper comprises of two Sections; Section A and Section B.
Attempt all questions from Section A.
Attempt any four questions from Section B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.
The intended marks for questions or parts of questions are given in Brackets ( )

SECTION A [40 MARKS]
Attempt all questions

Q. 1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: (15)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग २५० शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :-

i. "मनुष्य स्वयं अपने भाग्य का निर्माता है। भाग्य के भरोसे रहने वाले निष्क्रिय व्यक्ति जीवन का सच्चा सुख नहीं पा सकते, कर्म ही जीवन है।" इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

ii. भारतीय समाज में अनेक सामाजिक बुराईयाँ व्याप्त हैं जिनके कारण अनेक समस्याएँ जन्म ले रही हैं तथा जनजीवन को प्रभावित कर रही हैं। कुछ बुराइयों का उल्लेख करते हुए बताइए कि आप इनमें से किसे सबसे अधिक घातक समझते हैं और क्यों? इन दुष्परिणामों एवं समाधानों का उल्लेख कर करते हुए एक प्रस्ताव लिखिए।

iii. "असफलता ही सफलता का आधार है" - विषय के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार प्रकट कीजिए।

iv. आपके जीवन में घटित किसी ऐसी घटना का वर्णन कीजिए जिसने आपकी विचारधारा एवं जीवन को नया मोड़ दिया उससे आप भविष्य में भी प्रेरणा लेते रहेंगे।

v. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :-
"परिश्रम ही सफलता का सोपान है।"

Q. 2 Write a letter in Hindi approximately 120 words on any one of the topics given below: (7)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए :-

i. कल्पना कीजिए कि आपने मॉल के एक बड़े शोरुम से एक एल. सी. डी. खरीदा था। अब वह ठीक से नहीं चल रहा। आपने इसकी शिकायत कंपनी में की है पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। उपभोक्ता संरक्षण केंद्र को पत्र लिखिकर इसकी शिकायत कीजिए।

ii. भारतीय संस्कृति और सभ्यता विश्व में अपना अद्वितीय स्थान रखती है। ऐसा आपको तब ज्ञात हुआ जब आप विदेश गए। इस विषय से सम्बन्धित जानकारी देते हुए तथा अनुभव बताते हुए बड़ी बहन को पत्र लिखिए।

Q. 3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow using your own words as for as possible:-

नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

काशी, संस्कृत – विद्या का पुराना केंद्र है। उसे भगवान विश्वनाथ की नगरी या विश्वनाथपुरी भी कहा जाता है। वहीं विश्वनाथ जी का बहुत प्राचीन मंदिर है। एक दिन विश्वनाथ जी के पुजारी ने स्वप्न में देखा कि भगवान विश्वनाथ उससे मंदिर में विद्वानों तथा धर्मात्मा लोगों की सभा बुलाने को कह रहे हैं। पुजारी ने दूसरे दिन सवेरे ही पूरे नगर में इसकी घोषणा करवा दी।

काशी के सभी विद्वान, साधु और दूसरे पुण्यात्मा दानी लोग गंगा जी में स्नान करके मंदिर में आए। सबने विश्वानाथ जी को जल चढ़ाया, प्रदक्षिणा की और सभा मंडप में आए तथा बाहर खड़े हो गए। उस दिन मंदिर में बहुत भीड़ थी। सबके आ जाने पर पुजारी ने सबको अपना स्वप्न बताया। सब लोग 'हर हर - महादेव' की ध्वनि करके शंकर जी की प्रार्थना करने लगे।

जब भगवान की आरती हो गई, घड़ी - घंटे के शब्द बंद हो गए और सब लोग प्रार्थना कर चुके, तब सबने देखा कि मंदिर में अचानक खूब प्रकाश हो गया है। भगवान विश्वनाथ की मूर्ति के पास ही सोने का एक पात्र पड़ा था, जिस पर बड़े - बड़े अक्षरों में लिखा था - "सबसे बड़े दयालु और पुण्यात्मा के लिए यह विश्वनाथ जी का उपहार है।"

पुजारी बड़े त्यागी और सच्चे भगवद्भक्त थे। उन्होंने वह पत्र उठाकर सबको दिखाया। वे बोले - "प्रत्येक सोमवार को यहाँ विद्वानों की सभा होगी। जो अपने को सबसे बड़ा पुण्यात्मा और दयालु सिद्ध कर देगा, उसे यह स्वर्णपत्र दिया जाएगा।"

देश में चारों ओर यह समाचार फैल गया। दूर - दूर से तपस्वी, त्यागी, व्रत करने वाले और दान करने वाले लोग काशी आने लगे। एक ब्राह्मण ने कई महीने लगातार चंद्रायण - व्रत किया था। वे उस स्वर्णपत्र को लेने आए, लेकिन जब स्वर्णपत्र उन्हें दिया गया, उनके हाथ में जाते ही वह मिट्टी का हो गया। लज्जित होकर उन्होंने उसे लौटा दिया। पुजारी के हाथ में जाते ही वह फिर सोने का हो गया और उसके रत्न चमकने लगे।

एक बाबू जी ने बहुत से विद्यालय बनवाए थे। कई स्थानों पर वह सेवाश्रम चलाते थे। दान करते - करते उन्होंने अपना लगभग सारा धन खर्च कर दिया था। बहुत - सी संस्थाओं को वे सदा दान देते थे। अखबारों में उनका नाम छापता था। वे भी स्वर्णपत्र लेने आए, किंतु उनके हाथ में जाकर भी वह मिट्टी का हो गया। पुजारी ने उनसे कहा, "आप पद, मान या यश के लोभ से दान करते जान पड़ते हैं। नाम की इच्छा से किया जाने वाल दान, सच्चा दान नहीं है।"

इसी प्रकार बहुत से लोग आए, किंतु कोई भी स्वर्णपत्र नहीं पा सका। सबके हाथों में पहुँचकर वह मिट्टी का हो जाता था। कई महीने बीत गए। बहुत से लोग स्वर्णपत्र पाने के लोभ से भगवान विश्वनाथ के मंदिर के पास ही दान - पुण्य करने लगे, लेकिन स्वर्णपत्र उन्हें भी नहीं मिला।

एक दिन एक बूढ़ा देहाती किसान भगवान विश्वानाथ के दर्शन करने काशी आया। वह बहुत निर्धन था। उसके कपड़े मैले और फटे हुए थे। वह केवल विश्वनाथ जी के दर्शन करने आया था। उसके पास कपड़े में बँधा थोड़ा सत्तू और एक फटा कंबल था। मंदिर के पास लोग गरीबों को कपड़े और पूरी - मिठाई बाँट रहे थे, किंतु एक कोढ़ी मंदिर से दूर पड़ा कराह रहा था। उससे उठा नहीं जाता था। उसके सारे शरीर में घाव

थे। वह भूखा था, किंतु उसकी ओर कोई देखता तक नहीं था। बूढ़े किसान ने अपना सत्तू उसे खाने को दे दिया और अपना कंबल उसे ओढ़ा दिया, फिर वह मंदिर में दर्शन करने गया।

मंदिर के पुजारी ने अब नियम बना लिया था कि सोमवार को जितने यात्री दर्शन करने आते थे, सबके हाथ में वे एक बार वह स्वर्णपत्र रखते थे। बूढ़ा किसान जब विश्वनाथ जी के दर्शन करके मंदिर से निकला, पुजारी ने स्वर्णपत्र उसके हाथ में रख दिया। उसके हाथ में जाते ही स्वर्णपत्र में जड़े रत्न दुगने प्रकाश से चमकने लगे। यह देख सब लोग आश्चर्यचकित रह गए। पुजारी ने कहा "यह स्वर्णपत्र तुम्हें विश्वनाथ जी ने दिया है। जो निर्लोभी है, दीनों पर दया करता है, बिना किसी स्वार्थ के दान करता है और दुखियों की सेवा करता है, वह सबसे बड़ा पुण्यात्मा है।"

प्रश्नः- उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

i. 'काशी' किसलिए प्रसिद्ध है? उसका दूसरा नाम क्या है? पुजारी ने स्वप्न में क्या देखा फिर दूसरे दिन उसने क्या किया? **(2)**

ii. जब चंद्रायण - व्रत करने वाले ब्राह्मण ने स्वर्णपत्र अपने हाथ में लिया, तब क्या हुआ और क्यों? **(2)**

iii. परमदानी बाबू के हाथ में आने पर स्वर्णपत्र मिट्टी का क्यों हो गया? **(2)**

iv. जब पुजारी ने स्वर्णपत्र बूढ़े देहाती किसान के हाथ में रखा तब क्या चमत्कार हुआ? पुजारी ने किसान की प्रशंसा करते हुए क्या कहा? **(2)**

Q. 4 Answer the following according to the instructions given:-
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

i. निम्नलिखित शब्दों के विशेषण बनाइए – (किन्ही दो) **(1)**

a.	संचय	b.	बुद्धि	c.	अध्यात्म
d.	स्मरण	e.	पूजा	f.	ईमानदारी

ii. निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो के दो – दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :- **(2)**

a.	हृदय	b.	विश्वास	c.	लहू
d.	यश	e.	रचना	f.	बिजली

iii. निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :- **(1)**

a.	प्रारंभिक	b.	दुर्जन	c.	पुरस्कृत
d.	अपव्ययी	e.	ग्राम्य		

iv. निम्नलिखित मुहावरों में से किन्ही दो की सहायता से वाक्य बनाइए :- **(2)**

a.	डंका बजना	b.	चादर के बाहर पैर पसारना
c.	मिट्टी का माधो	d.	तिल धरने की जगह न होना
e.	चाँद पर थूकना		

v. भाववाचक संज्ञा बनाइए :- (किन्ही दो) **(1)**

a. जगना b. वृद्ध c. कठिन

d. स्वामी e. मौलिक

vi. कोष्टक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्य में परिवर्तन कीजिए :- (किन्हीं तीन के) **(3)**

a. उसे धूम्रपान का <u>वसन</u> लग गया है।
(रेखांकित के स्थान पर उपयुक्त शब्द का प्रयोग कीजिए।)

b. माँ के हाथ का बनाया हुआ भोजन <u>बहुत उत्तम</u> होता है।
(रेखांकित के लिए एक शब्द लिखिए।)

c. स्वामी विवेकानंद संन्यासी थे।
("नहीं" का प्रयोग कीजिए परंतु वाक्य का अर्थ न बदले।)

d. मदद न मिलने के कारण उसे बहुत निराशा हुई।
("वह" का प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखिए।)

SECTION B [40 MARKS]

Attempt four questions from this section. You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions:

गद्य संकलन

Read the exracts given below and answer in Hindi the questions that follow:-
निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

Q. 5 मैं उनकी दुर्बल काया और पीला चेहरा देखकर स्तब्ध रह गया?

i. उपर्युक्त पंक्ति का प्रसंग लिखिए। **(2)**

ii. लेखक के मित्र की पत्नी ने लेखक के प्रश्न का क्या उत्तर दिया? **(2)**

iii. लेखक को अपने मित्र के घर में किन - किन समस्याओं का बोध हुआ? **(3)**

iv. यह किस प्रकार का निबंध है तथा इस निबंध में देश की किस समस्या पर ध्यान आकर्षित किया गया है? इससे देश को क्या नुकसान हो रहा है? **(3)**

Q. 6 "हमारे विद्वान पाठकों में से कोई होता तो उन मूर्खों को समझाता - यह संसार क्षणभंगुर है। इसमें दुःख क्या और सुख क्या? जो जिससे बनता है, वह उसी में लय हो जाता है - इसमें शोक और उद्वेग की क्या बात है?"

i. पानी से कौन खेल रहा था? वह जब पानी का खेल छोड़कर मुड़ा तो उसने क्या देखा? **(2)**

ii. सुरबाला कौन है? उसके दुःख का कारण क्या था? **(2)**

iii. संसार को "क्षणभंगुर" क्यों कहा जाता है? सुरबाला क्या देखकर मौन हो गई थी? उसे किस चीज़ने पिघला दिया था? **(3)**

iv. सिद्ध कीजिए कि खेल कहानी में बालपन की सरलता का चित्रण किया गया है। इस कहानी के माध्यम से लेखक ने किस सत्य को उजागर किया है? **(3)**

Q. 7 इसके बाद हम फिर इधर - उधर की बातें करते रहे। मैं सन्ध्या की संगीत हालत से उनका ध्यान भी हटाना चाहता था इसके सिवा मैं और कर भी क्या सकता था?

i. उपर्युक्त अवतरण का संदर्भ लिखिए। **(2)**

ii. संध्या कौन है? उसकी संगीन हालत का वर्णन कीजिए तथा उसका कारण लिखिए। **(3)**

iii. लेखक यहाँ किसके कहने पर आया है? यहाँ आते समय लेखक को लिफ्ट में कौन - कौन मिले? **(2)**

iv. "मैं और कर भी क्या सकता था" – से लेखक का क्या आशय है? समझाते हुए लिखिए कि मनुष्य और ईश्वर के संबंधों के विषय में उसके क्या विचार है? **(3)**

एकांकी सुमन

Read the extracts given below and answer in Hindi the questions that follow:-
निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

Q. 8 वहीं है शहर में, पर कल वे कारखाने में नहीं सोए थे। मेरे पास दुकान पर आ गए थे। जब कारखाने में आग लगी तो बड़ा शोर मचा, मैंने उन्हें बहुत जगाया पर वे उठे नहीं।

i. यह कथन किसका है और किससे किसके बारे में कहा गया है? किसका कारखाना था जिसमें आग लग गई? **(3)**

ii. आग लगने के सम्बन्ध में वक्ता और क्या सूचनाएँ देता है? **(2)**

iii. आग लगने से श्रोता पर क्या असर पड़ा? **(2)**

iv. प्रस्तुत एकांकी के शीर्षक की सार्थकता समझाइए। **(3)**

Q. 9 "हाँ वह बात तो पूरी ही नहीं की तुमने भीमा! शिवघाट से फिरंगियों को टलाया कैसे?"
राजा कुँवरसिंह की बुद्धि की क्या तारीफ करूँ सरदार, कटार की धार सी पैनी है।
हरकिशुन को साधु बनाकर भेजा, जानते हो किसलिए?

i. प्रस्तुत पंक्तियों का संदर्भ स्पष्ट कीजिए। **(2)**

ii. राजा कुँवरसिंह कौन थे? उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए। **(3)**

iii. हरकिशुन को कहाँ किस उद्देश्य से भेजा गया। **(2)**

iv. "राष्ट्र विरोधी ताकतों का डटकर विरोध करना ही सच्ची देशभक्ति है" - एकांकी के आधार पर इस पंक्ति की समीक्षा कीजिए। **(3)**

Q. 10 तुम्हारी आँखों में आँसू? आज तो मेरी विजय की बेला है आज तो फिरंगी के अरमानों की कब्र पर मेरा सिंहासन जम रहा है।

i. इन शब्दों में किस व्यक्ति की क्या भावना प्रकट हो रही है? **(2)**

ii. श्रोता की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए। **(3)**

iii. पुरोहित जी ने महाराज से क्या कहा? उन्होंने किस मदिरा का घूँट मिलाया था? **(3)**

iv. श्रोता ने वक्ता से क्या पूछा तथा वक्ता ने उन्हें क्या उत्तर दिया? **(2)**